अमेरिका की कैरोलिन आर. बर्टोज़ी और के. बैरी शार्पलैस एवं डेनमार्क के मॉर्टन मैल्डल ने "क्लिक कैमिस्ट्री और बायोऑर्थोगोनल कैमिस्ट्री" के विकास के लिए संयुक्त रूप से रसायन विज्ञान का वर्ष 2022 का नोबेल पुरस्कार जीता है। रॉयल स्वीडिश अकैडमी ऑफ साइंसेज़ ने बुधवार को इसकी घोषणा की। अकैडमी ने एक बयान में कहा कि, "शार्पलैस और मैल्डल ने क्लिक कैमिस्ट्री के रूप में रसायन विज्ञान के एक क्रियात्मक प्रकार की नींव रखी है, जिसमें अणु-संबंधी रचक खण्ड जल्दी और कुशलता से एक साथ जुड़ते हैं। दूसरी ओर, कैरोलिन बर्टोज़ी ने रसायन विज्ञान को एक नये आयाम पर ले जाते हुए क्लिक कैमिस्ट्री का उपयोग जीवों में करना शुरू कर दिया है। रसायन विज्ञान के लिए नोबेल समिति के अध्यक्ष ज़ोहान एक्विस्ट ने कहा, "रसायन विज्ञान में इस वर्ष का पुरस्कार आसान और सरल चीज़ों के साथ काम करने के बजाय जटिल मामलों से संबंधित है। क्रियात्मक अणुओं का निर्माण एक सीधा रास्ता अपनाकर भी किया जा सकता है।" बर्टोज़ी ने ऑनसाइट टेलीफोन इंटरव्यू में अपना रोमांच जाहिर करते हुए कहा, "खुशी के मारे मैं मुश्किल से सांस ले पा रही हूँ, मैं चकित हूँ।" चित्र में नज़र आ रहे हैं, बाएं से दाएं, क्रमशः मॉर्टन मैल्डल, के. बैरी शार्पलैस तथा कैरोलिन आर. बर्टोज़ी।

'मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि 2024 में एन.डी.ए/ भाजपा रिपीट हो'

रिटायरमैंट के बाद पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक केन्द्र सरकार के खिलाफ और भी आक्रामक हुये

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। मेघालय के पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक रिटायरमेंट के बाद सरकार के खिलाफ और आक्रामक हो गए हैं। सतपाल मलिक ने कहा है कि, मैं तो पहले से ही इस्तीफा लेकर घूम रहा था, लेकिन अब मैं आजाद हूं। पूर्व राज्यपाल ने कहा कि मैं अब आजाद हूं। कुछ भी कर सकता हूं और जेल तक जा सकता हूं। बुलंदशहर के सेगली गांव में हुए किसान महासम्मेलन में पहुंचे मलिक ने सीधे मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वे मुझ पर हमला करेंगे और सजा देने का प्रयास करेंगे, लेकिन कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे। सतपाल मलिक ने अपने बयानों की सी.बी.आई. जांच को लेकर भी बात की।

मलिक ने कहा कि, मेरी 100 जांच करा दें, लेकिन अपनी एक भी करा दें तो सच सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि, मेरे खिलाफ कोई मुकदमा नहीं हो सकता है। मैं तो 5 कुर्ते लेकर गया था और उतने ही लेकर आ गया हूं। मैं फकीर हूं।

यही नहीं इस दौरान मलिक ने भाजपा के विरोध में अपने इरादे भी साफ कर दिया। 2024 में होने वाले आम चुनाव के बारे में मलिक बोले, मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा लेकिन वहां जाऊंगा और लड़ाई में मदद करूंगा। मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि 2024 में एनडीए और बीजेपी रिपीट हो। जेल जाना पड़ तो जेल जाऊंगा किसानों के लिए, न किसी पार्टी में जाऊंगा न चुनाव लड़ूंगा।

इस मौके पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर बोलते हुए सतपाल मलिक ने कहा कि मैंने इन लोगों को दो मामले बताए थे, लेकिन कोई जांच नहीं हुई। मलिक ने कहा कि मैंने इन्हें बताया था कि एक मंत्री फोन करता है और कहता है कि आपके यहां से बोल रहा है। उसके बारे में कहा गया कि हटाएंगे पर हटाया नहीं गया। इसी तरह मैंने गोवा में भ्रष्टाचार बताया, तो कहने लगे कि आपकी जानकारी गलत है। मैंने कहा कि मेरी जानकारी सही है। लेकिन उसे अभी भी वहीं रखे हुए हैं मुझे मेघालय भेज दिया। तो मैं इनके इस नारे में नहीं आता हूं कि ये भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं।

- **सतपाल मलिक ने बुलंदशहर के सेगली गांव में हुए किसान महासम्मेलन में कहा, "वे मुझ पर हमला करेंगे और सजा देने का प्रयास करेंगे, लेकिन कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे।" उन्होंने कहा, मैं चैलेंज देता हूं, मेरी सौ जांचें करा दो और अपनी एक भी कराकर दिखाओ।**

गौरतलब है कि, सतपाल मलिक गवर्नर रहते हुए भी बीते करीब दो सालों से केंद्र सरकार पर हमला बोलते रहे हैं। किसान आंदोलन के दौरान उनकी मुखरता काफी ज्यादा थी। वह किसान आंदोलन के प्रबल समर्थक थे और मोदी सरकार पर इसे लेकर हमला बोला था। हाल ही में सतपाल मलिक ने कहा था कि रिटायर होने के बाद मैं चुनावी राजनीति नहीं करूंगा, लेकिन अखिलेश यादव और जयंत चौधरी के लिए मेरे मन में सॉफ्ट कॉर्नर है।

सतपाल मलिक ने कहा था कि, मैं इन लोगों को सहयोग जरूर करूंगा। लेकिन मैं चुनाव नहीं लड़ सकता, इसलिए उनके सिस्टम में मेरी कोई जगह नहीं हो सकती।

'भाजपा की गलतियों को बताने की जरूरत है'

श्रीराम सेना के संस्थापक प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, आर.एस.एस. को ऐसा करना चाहिये, नहीं तो भाजपा नेताओं को गलतफहमी होगी कि, वे जो कुछ भी करते हैं वह ठीक है

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। श्रीराम सेना के संस्थापक प्रमोद मुतालिक ने बुधवार को कहा कि, देश में आर्थिक असमानता को लेकर आर.एस.एस. के शीर्ष नेता दत्तात्रेय होसबले की टिप्पणियों को गलत नहीं समझना चाहिए। प्रमोद मुतालिक ने कहा, आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबले ने देश के बारे में चिंता और दर्द के साथ बात की थी। गुस्सा दिखाने या गलत संदेश देने का कोई इरादा नहीं है। वह एक राजनेता नहीं है, यह नहीं माना जा सकता है कि वह बीजेपी के खिलाफ गए थे। आगे मुतालिक ने कहा कि बीजेपी के भीतर की गलतियों को बताने की जरूरत है। नहीं तो बीजेपी नेता सोचेंगे कि वह जो कुछ भी करते हैं और वह ठीक है।

उन्होंने कहा कि दत्तत्रेय होसबले आरएसएस में दूसरे महत्वपूर्ण स्थान पर हैं। उन्होंने शोध और अध्ययन के बाद वर्तमान यथार्थवादी स्थिति के बारे में खुलासा किया। उनके बयानों को बीजेपी द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए और पार्टी को सुधार के रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भारत की आजादी के तुरंत बाद मुसलमानों में राष्ट्रवाद का समावेश हो गया था। देश के मुसलमानों को लेकर कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति की। कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति आतंकवाद, हत्याओं और दंगों के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है जो इस देश में देखे जाते हैं। मुझे विश्वास नहीं है कि भविष्य में मुसलमानों में राष्ट्रवाद बढ़ेगा। अगर आरएसएस के नेता मस्जिदों में जाते हैं तब भी उनकी मानसिकता में बदलाव नहीं होगा।

- **प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, आर.एस.एस. के शीर्ष नेता दत्तात्रेय होसबले ने देश में आर्थिक असमानता को लेकर कड़ी टिप्पणियां की थीं। उन्होंने कहा कि, आर.एस.एस. को ऐसा पूर्ण अधिकार होना चाहिये तथा इस मामले में होसबले को गलत नहीं समझना चाहिए।**
- **उन्होंने कहा कि, होसबले आर.एस.एस. में दूसरे सबसे महत्वपूर्ण स्थान पर हैं। उन्होंने शोध और अध्ययन के बाद वर्तमान यथार्थवादी स्थिति के बारे में खुलासा किया। उनके बयानों को भाजपा द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए और पार्टी को सुधार के रास्ते पर चलना चाहिए।**

प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, हमारे पास इस बारे में स्पष्टता नहीं है कि हमारे दोस्त और दुश्मन कौन हैं। हजारों सालों से हिंदू अन्य धर्मों के साथ सहिष्णुता से रह रहे हैं। हिंदू समाज में दूसरों पर हमला करने की मानसिकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सड़क पर यह कहना कि पी.एफ.आई. वापस आएगा, एक चेतावनी है कि, पी.एफ.आई. अभी भी सक्रिय है। उपद्रवियों पर काबू पाने के लिए हिंदू समाज को पुलिस विभाग का सहयोग करना चाहिए।

कश्मीर में दो मुठभेड़ों में चार आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 5 अक्टूबर (वार्ता)। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने दो मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के चार आतंकवादियों को मार गिराया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि, पहली मुठभेड़ द्राच गांव में मंगलवार रात हुई और दूसरी मुठभेड़ बुधवार तड़के दक्षिण कश्मीर के इसी जिले के मुलू गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर चलाए गए घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान हुई। मुठभेड़ ऐसे समय में शुरू हुई जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार से जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर थे। शाह राजौरी में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद मंगलवार रात श्रीनगर पहुंचे और उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को एक और जनसभा को संबोधित करेंगे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) कश्मीर विजय कुमार ने कहा कि द्राच में मुठभेड़ में मारे गए तीन स्थानीय आतंकवादी प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे। एडीजीपी ने कहा कि तीन आतंकवादियों में से हनान बिन याकूब और जमशेद के रूप में पहचाने गए आतंकवादी दो अक्टूबर, 2022 को पिंगलाना में एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) जावेद डार और 24 अगस्त, 2022 को पश्चिम बंगाल के एक बाहरी मजदूर की पुलवामा में हत्या में शामिल थे।

मूर्ति विसर्जन के दौरान 6 युवकों की डूबने से मौत

नसीराबाद, 5 अक्टूबर (निसं)। नसीराबाद सदर थाना अंतर्गत ग्राम नांदला के निकट एक तालाब में डूबने से 6 युवकों की मौत हो गई।

सदर थाना से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम नांदला स्थित नंदा जी की ढाणी के युवक नांदला के पास ही स्थित एक तालाब में माता जी की मूर्ति विसर्जन करने के कार्यक्रम में शामिल जाप्ता के तुरंत मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की सहायता से 5 मृतकों के शव को पानी से निकालकर नसीराबाद हॉस्पिटल पहुंचाए।

वहीं एक मृतक शंकर के शव को सिविल डिफेंस की टीम ने तलाश कर देर शाम निकाला। हादसे की सूचना आसपास के ग्रामीण इलाकों में फैलने से कोहराम मच गया और सैकड़ों ग्रामीण नसीराबाद हॉस्पिटल पहुंचे अजमेर जिला कलेक्टर अंशदीप, पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केकडी घनश्याम शर्मा, उपखंड अधिकारी राकेश कुमार गुप्ता, पुलिस उप अधीक्षक पूनम भरगढ़ सहित सिटी थाना व सदर थाना का पुलिस जाब्ता भी हॉस्पिटल पहुंचा। शवों का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिए गए। उपखण्ड अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी मृतक चिरंजीवी योजना से जुड़े हुए थे, इसलिए सभी मृतकों के परिजनों को जल्द ही नियमानुसार पांच 5-5 लाख रुपये की बीमा राशि दी जाएगी। जिला कलेक्टर सहित सभी अधिकारी भी मौके पहुंचे और प्रत्यक्ष दर्शियों से वार्ता कर मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी। सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की।

- **यह घटना नांदला गांव की है, जहां तालाब में देवी की मूर्ति विसर्जित करते समय पैर फिसलने से हादसा हुआ और एक दूसरे को बचाने में 6 युवक डूब गए।**
- **मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रमीणों की मदद से 5 शव तुरंत निकाल लिए और एक शव देर शाम निकाला गया।**
- **सभी मृतक चिंरजीवी योजना से जुड़े हैं इसलिए सभी के परिजनों को 5-5 लाख रू. की सहायता दी जाएगी।**

सेना का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य सदस्यों का इलाज जारी है। अधिकारियों के अनुसार, पूर्वोत्तर राज्य में हुए इस हादसे की वजह का अब तक पता नहीं लग सका है। फिलहाल, जांच जारी है। दिसंबर 2021 में तत्कालीन चीफ ऑफ डिफैन्स स्टाफ जनरल बिपिन रावत का भी हैलिकॉप्टर क्रैश में निधन हो गया था।

उस दौरान वह भारतीय वायुसेना के सुलूर स्टेशन से कुनूर के वेलिंगटन स्थित सर्विस स्टाफ कॉलेज जा रहे थे। यात्रा के दौरान उनका हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। घटना में रावत व उनकी पत्नी सहित 10 लोगों की मौत हो गई थी।

दशहरे पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर प्रहार किया था जो समाज के गरीब तबकों को "राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिये बलि देने के साधन के रूप में काम में लेते हैं।" 2017 में, उन्होंने कहा था कि मुस्लिम भी "गोरक्षक" हैं तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि कृषि से जुड़ी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संरक्षण के लिये गौ-संरक्षण मूलभूत रूप से जरूरी है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि रोहिंग्या मुस्लिमों तथा जिहादियों के बीच जुड़ाव की बातें उभरकर आ रही हैं। इसके अलावा, उन्होंनें कश्मीर में संवैधानिक संशोधन किये जाने की भी अनुशंसा की थी। इस विजयादशमी पर, आर.एस. प्रमुख ने उन वर्गों की कोशिशों को बकवास बताया, जो "डर एवं सनसनी पैदा करके", यह दिखाने में लगे हैं कि "संगठित हिन्दुओं के कारण अल्पसंख्यक खतरे में हैं।" उन्होंने कहा कि "यह न तो अतीत में कभी हुआ है और न भविष्य में कभी होगा।" यह न तो संघ की प्रकृति है और न हिन्दुओं की। इतिहास इस बात को सिद्ध करता है। संघ भाईचारे, सौहार्द्र एवं शान्ति के पक्ष में खड़ा रहने के लिये संकल्पित है।

इन दिनों, भागवत मुस्लिमों तक पहुँचने की योजना पर काम कर रहे हैं। वे मुस्लिम बुद्धिजीवियों तथा धार्मिक हस्तियों के साथ मीटिंग कर रहे हैं ताकि सामाजिक एवं राजनैतिक मुद्दों उनके नजरिये की जानकारी प्राप्त कर सकें। सभी प्रकार के संकेत यह बता रहे हैं कि आर.एस.एस. प्रमुख अल्पसंख्यकों और मुस्लिमों से राष्ट्र-निर्माण के कार्य के बारे में चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन इस साल के उनके नागपुर-भाषण का असली संदेश अलग रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने उदयपुर एवं अमरावती में हुई जघन्य एवं वीभत्स का जिक्र किया, जिनमें एक दर्जी और एक फार्मासिस्ट को मार दिया गया था, क्योंकि उन्होंने भाजपा की निलम्बित प्रवक्ता नूपुर शर्मा की बात का समर्थन कर दिया था। भागवत ने कहा कि जहाँ प्रतिष्ठित मुस्लिमों के वर्गों ने इन घटना के विरोध में आवाज उठाई थी, वहीं विरोध के ये तरीके अगल-थलग पड़ी घटनाओं के रूप में नहीं रहने चाहिये। उन्होंने कहा, "विरोध बड़े पैमाने पर होना चाहिये था।" भागवत यह कहना चाहते थे कि हिन्दू समाज ऐसी घटनाओं का जोरदार विरोध करता आया है, जिनमें कोई हिन्दू आरोपी

चीनी का निर्यात...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा उपभोक्ता और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी निर्यातक के रूप में उभर कर सामने आया है।

यह सत्र भारतीय चीनी उद्योग के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुआ है।

गन्ना उत्पादन, चीनी उत्पादन, चीनी निर्यात, गन्ना खरीद, गन्ना बकाया भुगतान और एथनॉल उत्पादन के सभी रिकॉर्ड इसी दौरान बनाए गए। बयान के अनुसार, गन्ना सत्र 2021-22 के दौरान चीनी मिलों ने 1.18 लाख करोड़ रुपये से अधिक के गन्ने की खरीद की है और भारत सरकार द्वारा बिना किसी वित्तीय सहायता (सब्सिडी) लिए हुए 1.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान जारी किया है।

इसी प्रकार से, चीनी सत्र के अंत में गन्ना बकाया 6,000 करोड़ रुपये से कम हो गया है, जो यह दर्शाता है कि गन्ना बकाये में से 95 प्रतिशत भुगतान पहले ही किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि गन्ना सत्र 2020-21 के लिए 99.9 फीसदी से अधिक गन्ना का बकाया चुका दिया गया है।

उत्तराखण्ड में बारातियों की बस खाई में गिरी, 32 लोगों की मौत

पौड़ी गढ़वाल/देहरादून, 5 अक्टूबर (वार्ता)। उत्तराखण्ड के पौड़ी गढ़वाल जनपद में मंगलवार देर शाम बारातियों से भरी बस के गहरी खाई में गिरने के बाद देर रात्रि शुरू हुआ राहत अभियान बुधवार शाम पूरा हो गया। इस वीभत्स दुर्घटना में कुल मृतक संख्या 32 पहुंच चुकी है जबकि कुल 18 बाराती घायल हैं।

घायल लोगों को विभिन्न चिकित्सालयों में उपचार के लिए भेजे गए हैं। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) प्रवक्ता विनीत कुमार ने यूनीवार्ता को आज शाम यह जानकारी दी। मंगलवार शाम लगभग सात बजे हुए इस हादसे की सूचना लगभग आठ बजे एसडीआरएफ और पुलिस को मिलने के बाद राहत कार्य विधिवत शुरू हो पाए थे। इससे पहले स्थानीय ग्रामीणों ने लगभग तीन सौ फिट गहरी खाई में अंधेरे में मोबाइल फोनों की लाइट में उतर कर बचाव (रेस्क्यू) कार्य शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून स्थित राज्य आपदा नियंत्रण केन्द्र जाकर, और पौड़ी के प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर जाकर रेस्क्यू कार्यों का सुपरविजन शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री आज हरिद्वार के सांसद रमेश पोखरियाल निशंक के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू वर्क का निरीक्षण किया। रात भर ग्रामीणों, एसडीआरएफ और पुलिस के जवानों द्वारा किया गया रैस्क्यू बुधवार शाम खत्म हुआ। उल्लेखनीय है कि हरिद्वार के थाना श्यामपुर क्षेत्र के ग्राम लालढांग में स्थित शिव मंदिर के निकट रहने वाले संदीप पुत्र स्व नंद राम की बरात मंगलवार दोपहर एक बजे पौड़ी जिले के कांडा गांव के लिए घर से निकली थी। बराती एक बस में सवार थे, जबकि दूल्हा संदीप कार से गया था। बरात की बस पौड़ी के बीरोंखाल सिमड़ी बैंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

- **300 फीट गहरी खाई में बस पलट गई। इस दुर्घटना में 18 अन्य बाराती गम्भीर रूप से घायल हुये हैं**
- **मंगलवार देर शाम को यह दुर्घटना हुई। रैस्क्यू ऑपरेशन तभी शुरु कर दिया गया और बुधवार शाम तक चला।**
- **पुलिस ने बताया कि बस में 50 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे के तुरंत बाद, रैस्क्यू टीम के आने से पहले ही ग्रामीणों ने 300 फीट गहरी और अंधेरी खाई में उतरकर बचाव कार्य शुरु कर दिया था।**

मुंबई में रिलायंस के अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली

मुंबई, 5 अक्टूबर। मुंबई में आज दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब शहर के एक अस्पताल को फोन कॉल करके बम से उड़ाने की धमकी दी गई। मुंबई पुलिस के बयान के मुताबिक मामला सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल से का है। हॉस्पिटल के लैंडलाइन पर अचानक से फोन बजा। फोन उठाया तो कॉल करने वाले ने अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी दी।

इस मामले में एक और चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक थ्रेट कॉल अज्ञात नंबर से आया था। फोन करने वाले ने अंबानी परिवार के कुछ सदस्यों का नाम लेकर धमकी दी है। सूत्रों ने बताया कि कॉलर ने मुकेश अंबानी और नीता अंबानी को भी जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने कहा है कि घटना में अपराध डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक पूरे मामले की जांच की जा रही है। मालूम हो कि करीब एक साल पहले ही दक्षिण मुंबई के पैडर रोड स्थित मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया से 300 मीटर की दूरी पर विस्फोटक से भरी एक स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी मिली थी। कार में 20 जिलेटिन की छड़ें और एक धमकी भरा लेटर बरामद हुआ था। इसके कुछ दिन बाद कार के मालिक मनसुख हिरेन का शव रेती बंदर की खाड़ी से बरामद हुआ था। इस मामले की जांच एन आई ए कर रही है।

- **मुंबई पुलिस ने बताया कि, फोन कॉल करने वाले व्यक्ति ने अंबानी परिवार के सदस्यों का नाम लेकर उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी है**
- **गौरतलब है कि, करीब एक साल पहले दक्षिण मुंबई के पैडर रोड स्थित मुकेश अंबानी के आवास, एंटीलिया से 300 मीटर की दूरी पर विस्फोटक से भरी एक स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी मिली थी। कार में 20 जिलेटिन की छड़ें और एक धमकी भरा लेटर बरामद हुआ था।**

राष्ट्रपति शी अपने आपको...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के तहत पार्टी चेयरमैन भारी अधिकार दिए गए उसे देश की सशस्त्र सेना का मुखिया भी बनाया गया।

रॉयटर न्यूज़ एजेंसी के अनुसार कई विशेषज्ञों ने बताया कि ये बदलाव शी की निजी विचारधारा को "शी जिंनपिंग थॉट" के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं और इसे "माओ त्सेतुंग थॉट" के समकक्ष ला सकते हैं

शी को पार्टी मुखिया के रूप में स्थापित करने के अलावा जो अन्य बदलाव किए जाएंगे उनमें प्रमुख हैं उनके विचारों को पार्टी का मार्गदर्शक मानना और पार्टी चेयरमैन का पद पुनः स्थापित करना जिसे 1982 में खत्म कर दिया गया था।

नब्बे के दशक से ही पार्टी संविधान में बदलाव कर नए नेतृत्व की राजनैतिक विचारधाराओं का जोड़ा जा रहा है। चाईनीज़ कम्युनिस्ट पार्टी (सी.सी.पी.) की स्थापना 1921 में हुई थी और हरेक पार्टी कांग्रेस में इसके संविधान में समय के अनुसार परिवर्तन हुआ है।

सी.सी.पी. के 10 लाख सदस्य हैं पर इसका सर्वोच्च नेतृत्व कैसे काम करता है, इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार इस समय "शी जिंनपिंग थॉट" हर जगह है, जो चीन का नया ऑफिशियल डॉक्ट्रीन है। स्कूल, अखबार, टी.वी., इंटरनैट, बिल बोर्ड्स और बैनर हर जगह इनका प्रचार हो रहा है।

अधिकृत रूप से इसे "शी जिंनपिंग थॉट आन सोशलिज़्म विद चाइनीज़ कैरेक्टरिस्टिक्स फॉर ए न्यु एरा" कहा गया है। यह डॉक्ट्रीन तीन स्तर पर शी की पावर को मजबूत करने के बारे में है देश, पार्टी और खुद शी।"

हालिया दशकों में चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और ग्लोबल ट्रेड और निवेश का पावर हाउस बन गया था। शी जिंनपिंग थॉट अगला कदम उठाने की बात करता है तो उसका लक्ष्य चीन को ना केवल सम्पन्न बनाना है, बल्कि चीन को राजनैतिक रूप से ताकतवर बनाना भी है।

चीन के वैश्विक अभ्युदय के लिए शी चीन की सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं और "बैल्ट एण्ड रोड" कार्यक्रमों में एक खरब डॉलर का भारी निवेश किया गया है। शी के अधीन चीन की सेना का आकार व ताकत दोनों बढ़ी है, भ्रष्ट अफसरों को हटाया जा रहा है और साउथ चाइना सी के विवादित क्षेत्र में सैन्य अड्डे बनाए जा रहे हैं।

फर्जी नामों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राशन कार्ड जारी है। प्रदीप कुमार के परिवार में कुल 4 सदस्य खुद प्रदीप कुमार, उसकी पत्नी शकुंतला देवी, बेटी हरमन और बेटा शिवम कुमार हैं। लेकिन उसने महालेश्वर और साले सुभाष चंद्र पुत्र पृथ्वीचन्द्र निवासी जण्डावाली का नाम फर्जी तरीके से जुड़वा रखा है।

जबकि जण्डावाली ग्राम पंचायत में खुद सुभाष चन्द्र का नाम अलग राशन कार्ड में दर्ज है और वह राशन सामग्री प्राप्त कर रहा है। प्रदीप कुमार ने इन दोनों फर्जी नामों पर अब तक करीब 9.30 क्विंटल गेहूं उठाया है।

उन्होंने बताया कि नगर परिषद आयुक्त के स्तर पर करवाई गई जांच में 2 नाम फर्जी तरीके से जोड़ना पाया गया है। पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

गठन के बाईस साल बाद टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करना शुरु कर दिया हैं, उन्होंने विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं से बातें की हैं, लेकिन पूरे दृढ़ निश्चय एवं तत्परता दिखाते हुये कांग्रेस को छोड़ दिया है।

यहाँ यह बता देना समीचीन होगा कि कांग्रेस तेलंगाना विधानसभा में प्रमुख विपक्षी दल है तथा उसने सरकार के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। भाजपा ने भी स्वयं को के.सी.आर. को चुनौती देने वाले मुख्य दल के रूप में प्रोजैक्ट करना शुरु कर दिया है।

बुधवार को अपने राष्ट्रीय राजनैतिक दल के उद्घाटन या अपने क्षेत्रीय दल को राष्ट्रीय राजनैतिक दल का रूप देने के महत्वपूर्ण अवसर पर के.सी.आर. ने अपनी पार्टी के नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों तथा जिला स्तरीय समन्वयकों को पार्टी मुख्यालय पर इकट्ठा किया था। प्रसंगवश बता दें कि अी.आर.एस. अप्रैल 2000 में बनी थी तथा 22 वर्ष में, उसने अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा को व्यक्त करने के लिये, राष्ट्रीय राजनैतिक दल का रूप ले लिया है। रिकॉर्ड के लिये, टी.आर.एस. पार्टी की मीटिंग में, इसे "भारत राष्ट्र समिति" में विलय करने का प्रस्ताव पारित हो गया है। नयी पार्टी का स्वागत करते हुये, कुमारस्वामी ने कहा कि यह पार्टी विभिन्न क्षेत्रीय दलों के समूह का रूप लेगी तथा क्षेत्रीय दलों को अपने क्षेत्र एवं राष्ट्र के लिये अपनी आकांक्षाएं व्यक्त करने के लिये उचित मंच उपलब्ध करायेगी।

यह नवगठित पार्टी विभिन्न राज्यों में लोकसभा के लिये अपने उम्मीदवार खड़ करेगी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री इस राष्ट्रीय राजनैतिक दल के गठन के इस समारोह में उपस्थित हुये थे। उनके साथ उनके राज्य से उनकी पार्टी के 20 विधायक भी समारोह में आये थे। वी.सी.के. प्रमुख तथा सांसद तिरुमवलानन अपने एक साथी सांसद के साथ इस पार्टी के स्थापना दिवस पर आयोजित इस समारोह में शामिल हुये थे। वस्तुतः इस समारोह में वी.सी.के. की उपस्थिति इसलिये दिलचस्प एवं उल्लेखनीय है क्योंकि वस्तुस्थिति यह है कि यह डी.एम.के.-गठबंधन पार्टनर है तथा इस प्रकार, कांग्रेस के साथ भी इसके मजबूत संबंध हैं तथा इस बात को नज़र अदांज नहीं किया जा सकता कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के कन्याकुमारी से शुरु होने के समय, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन स्वयं उपस्थित हुये थे।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908